वराहमिहिर वचन

अक्टूबर माह के प्रत्येक दिवस को अनुकूल व सफलता युक्त बनाने के उपाय .....

30 सितम्बर सरस्वती पूजन युक्त दुर्गाष्टमी पर्व पर शारदीय नवरात्रि में जो भी दसमहाविद्या नवदुर्गा की साधनायें सम्पन्न की है वे पूर्ण सफलीभूत हो सके। इस हेतु दिव्य दस विद्या शक्ति प्राप्ति माला धारण करें। न्यौ. ₹9000/-

01 उक्त माला से ''ऊँ नमश्चचण्डिकायै। आगच्छ वरदे देवी शंकरप्रिये नमामि'' की एक माला जप कर शारदीय नवरात्रि का पारणा सम्पन्न करें ।

02. सर्व पितृ दोष निवृति हेतु सांध्य बेला में लघु हवन करें।

03. पापाकुंशा एकादशी जो कुल-वंश वृद्धि युक्त पुत्रदा सुखदा प्राप्ति चेतनाओं से परिपूर्ण है। इस हेतु देवत्व ज्ञान शक्तिमय दीर्घायु वृद्धि हेतु संतान को दीक्षा युक्त देवत्व कड़ा धारण करायें। न्यौ.₹ 2100/-

04. शनि प्रदोष पर्व पर सर्व संताप दोष निवृति दीक्षा ग्रहण करें। न्यौ. ₹1500/-

06 शरद पूर्णिमा मानसिक शारीरिक असाध्य रोग कष्टों की निवृति में सहायक है। इस हेतु चाँदनी रात में खीर का भोग लगाकर सोलह कलापूर्ण चन्द्र सुशोभित दीक्षा ग्रहण करें। न्यौ. ₹1500/-

10. करवा चतुर्थी पर्व पर सती सावित्री गौरी पार्वती चेतना वृद्धि दीक्षा आत्मसात् करने से परिवार में निरन्तर गौरी पार्वती सौभाग्य शक्ति युक्त पति शतायुमय जीवन से युक्त हो सकेंगे। न्यौ. ₹1500/-

13. कार्तिकेय कृष्ण अष्टमी पर्व पर भगवान राधा कृष्ण के चित्र की आत्मीय भाव से पूजा करें।

15. गण्डमूल कुयोग के फलस्वरूप अकारण मानसिक चिंता, रोग, कष्ट आते है। पुष्य योग पर्व पर गण्डमूल कुयोग निवृति दीक्षा ग्रहण करें। न्यौ. ₹1200/-

18. शनि प्रदोष युक्त धनतेरस पर्व पर सांध्य बेला में तेरह दीपक प्रज्जवलित करें।

धनवन्तरी पर्व पर शारीरिक, आत्मीक बलवृद्धि युक्त शतायु निरोगमय जीवन हेतु अमरत्व प्राप्ति दीक्षा आत्मसात् करने से पूर्णरूपेण सक्रिय रूप से स्वस्थमय जीवन वृद्धि हो सकेगी। न्यौछावर ₹1800/-

अष्ट सिद्धि नव निधि महालक्ष्मी दीपावली साधना महोत्सव 18-19-20-21 अक्टूबर जोधपुर राज. में सम्पन्न होगा। लक्ष्मीमय जीवन वृद्धि हेतु सपरिवार आना श्रेष्ठ रहेगा।

19. हनुमान जयन्ती दिवस पर हनुमानष्टक युक्त हनुमान चालीसा का पाठ करें।

20. चतुर्दशी पर्व पर अपने पूर्वजों व सद्गुरूदेव जी की शक्तियों को आत्मसात् करने हेतु चतुर्विध्न शक्ति प्राप्ति दीक्षा ग्रहण करें। न्यौछावर ₹ 1800/-

21. महालक्ष्मी दीपावली पर्व पर पारद कुबेर विग्रह युक्त विधिनुसार पूजा साधना करने से सर्व स्वरूप में दरिद्रता का नाश होता है। न्यौछावर ₹ 11,000/-

24. लाभ पंचमी छठ पर्व युक्त सहस्त्र महालक्ष्मी साधना महोत्सव 24-25-26-27 अक्टूबर कैलाश नारायण धाम, दिल्ली में सम्पन्न होगा।

26. शुभ कार्यों में निरन्तर लाभमय सुस्थितियां सक्रिय रहे इस हेतु लाभ पंचमी पर्व पर पूजा स्थान में कुंकुम से 卐 ऊँ का चिन्ह कर भगवान गणपति को लड्डू का भोग अर्पित करें।

27. सूर्य देव और छठी मैया पर्व पर विधिनुसार पूजन कर स्वास्थ्य समृद्धि युक्त सर्व कामना पूर्ति दीक्षा ग्रहण करें। न्यौछावर ₹1500/-

30. गोपा अष्टमी पर्व पर गोपाल स्त्रोत का पाठ करें।

01. नवम्बर हरि प्रबोधिनी महादेव शिवत्व शक्ति साधना महोत्सव गोधरा (गुजरात) में सम्पन्न होगा।

02. मुब्रादेवी तुलसी विवाहमय सर्वसुखदा प्राप्ति अष्ट लक्ष्मी साधना महोत्सव कल्याण (मुम्बई) में सम्पन्न होगा।

काल निर्णय

ब्रह्म मुहूर्त का समय प्रातः 4:24 से 6:00 बजे तक ही रहता है।

दिवस	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
अक्टूबर	19, 26	20, 27	21, 28	22, 29	16, 23, 30	17, 24, 31	18, 25
नवम्बर	02, 09	03,10	04, 11	05, 12	06, 13	07, 14	01,08, 15
श्रेष्ठ समय दिन	07:36 से 10:00 12:24 से 02:48	06:00 से 09:12 09:12 से 10:48 01:12 से 06:00	06:00 से 07:36 10:00 से 10:48 12:24 से 02:48	06:48 से 08:24 08:24 से 11:36	06:00 से 06:48 10:48 से 12:24 03:00 से 06:00	09:12 से 10:30 12:00 से 12:24 02:00 से 06:00	10:48 से 02:00 05:12 से 06:00
श्रेष्ठ समय रात	07:36 से 09:12 11:36 से 02:00	08:24 से 11:36 02:00 से 03:36	08:24 से 11:36 02:00 से 03:36	06:48 से 10:48 02:00 से 04:24	10:00 से 12:24	08:24 से 10:48 01:12 से 02:00	08:24 से 10:48 12:24 से 02:48 04:24 से 06:00